विश्व जागृति मिशन

दिव्य सेवा प्रकल्प

दिव्य चेतना से युक्त दिव्यात्मा
संत सुधांशु जी महाराज

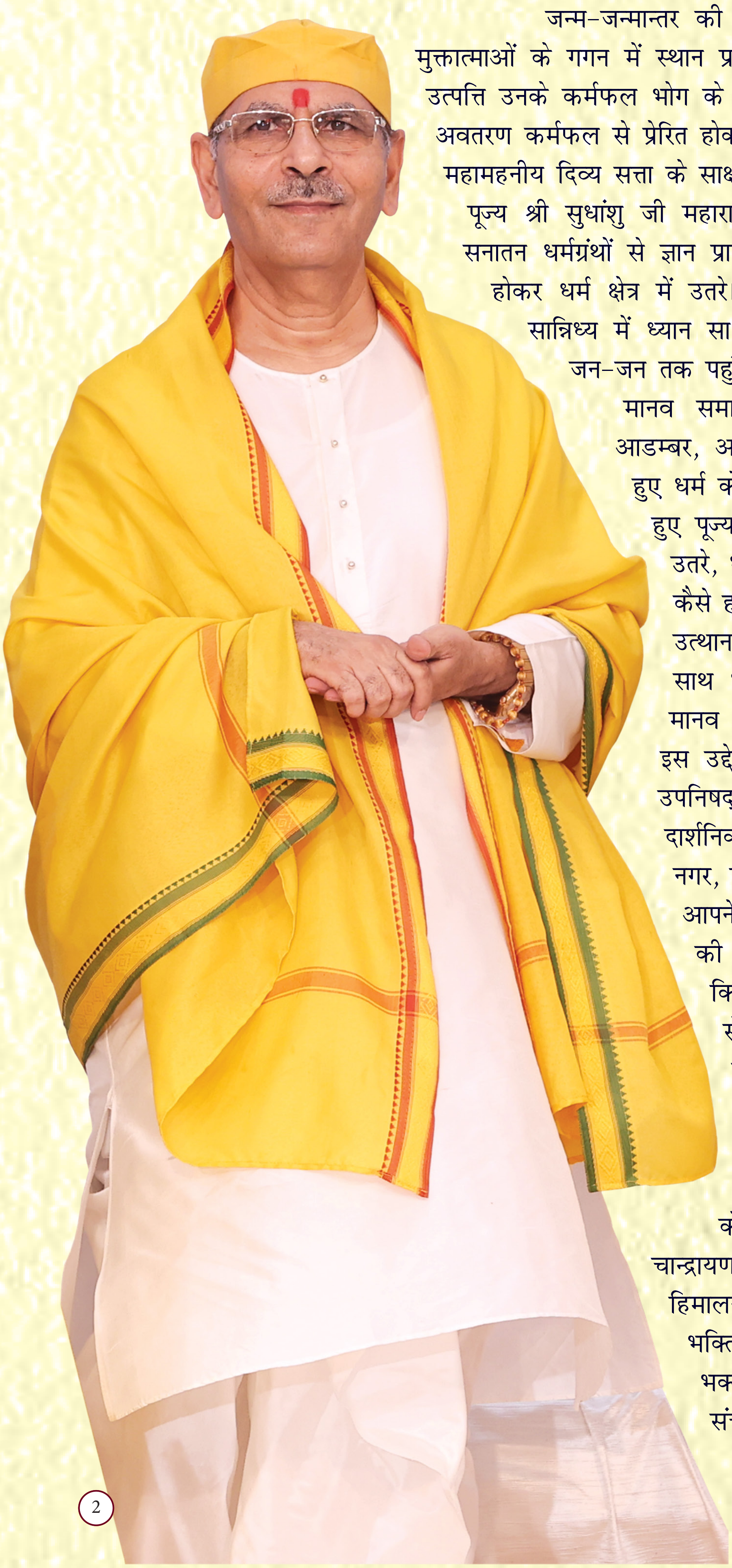

जन्म-जन्मान्तर की साधना एवं तपस्या के बाद किसी पुण्यात्मा को मुक्तात्माओं के गगन में स्थान प्राप्त होता है। संसार के अन्य समस्त प्राणियों की उत्पत्ति उनके कर्मफल भोग के लिए होती है लेकिन किसी मुक्तात्मा का धरा पर अवतरण कर्मफल से प्रेरित होकर नहीं प्रत्युत ईश्वरीय प्रेरणा से होता है। ऐसी ही महामहनीय दिव्य सत्ता के साक्षात् स्वरूप हैं–गुरुदेव पूज्य सुधांशु जी महाराज।

पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज गुरुकुलीय परम्परा में पठन-पाठन कर वैदिक सनातन धर्मग्रंथों से ज्ञान प्राप्त कर विद्यालयों और विश्वविद्यालयों से शिक्षित होकर धर्म क्षेत्र में उतरे। उत्तरकाशी में पूज्य सद्गुरु सदानंद महाराज के सान्निध्य में ध्यान साधना कर वैदिक सनातन संस्कृति में महान संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित हुए।

मानव समाज में उभरती दुर्वृत्तियों तथा तेजी से पनपते आडम्बर, अन्धविश्वास तथा रुढ़िवादी कुपरम्पराओं को देखते हुए धर्म के सही मायने क्या हों इस बात पर विशेष बल देते हुए पूज्य महाराजश्री ने मानव जीवन में विशुद्ध धर्म कैसे उतरे, धर्म जागृति लोगों में कैसे आये, सांस्कृतिक जागरण कैसे हो और लोग धर्म के पथ पर चलकर अपना धार्मिक उत्थान कैसे करें? जिससे उनकी आध्यात्मिक उन्नति के साथ भौतिक उन्नति भी हो और लोगों का यह उत्थान मानव समाज की सेवा करुणा के रूप में प्रवाहित हो, इस उद्देश्य से आपने सरल-सहज मनोहारी शैली में वेद उपनिषद्, भगवद्गीता, रामायण, दर्शनशास्त्र, पुराणों की दार्शनिक विवेचन को पहुंचाने के लिए भारत के ग्राम, नगर, प्रदेश, देश-विदेशों की यात्रा की। करोड़ों लोगों तक आपने ऋषियों-मुनियों, सिद्धों, संतों, साधकों, अवतारों की पवित्र वाणी को पहुंचाकर जनमानस को प्रेरित किया। अब तक आपके मुखारविंद से निःसृत 8000 से भी अधिक प्रवचनों के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक रुपांतरण हुआ।

ईश्वर की अनुभूति करने के लिए तप-साधना, योग विज्ञान, यज्ञ-याग, आत्मशुद्धि-भावशुद्धि हेतु आपने साधना केन्द्र बनवाए। देवार्चन हेतु भगवान के 24 मंदिरों का निर्माण कराया, यज्ञशालाएं बनवाईं। चान्द्रायण तप से लेकर अन्य प्राचीन तप प्रणाली हेतु हिमालय की तपोभूमि में साधना स्थली को निर्मित कराया। भक्तिपथ पर अग्रसर करने हेतु तीर्थस्थलों में हजारों भक्तों के ध्यान शिविर आयोजित करवाए, जो अनवरत संचालित हैं।

विश्व जागृति मिशन-एक परिचय

सत्य सनातन धर्म की पावनी गंगा के विशुद्ध स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से, भारत के प्राचीन ऋषियों के ज्ञान की धरोहर को धरती पुत्रों को प्रदान करने के लिए, धर्म में विज्ञान सम्मत दृष्टिकोण के साथ आदर्श एवं व्यवहारिक पक्ष को जोड़कर सामान्य जन तक प्रभु सन्देश को पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर रामनवमी के पावन दिन 24 मार्च, 1991 में परम पूज्य श्री सुधांशुजी महाराज ने विश्व जागृति मिशन की स्थापना की।

सम्पूर्ण समाज में एक ऐसा स्वर्गिक वातावरण निर्मित हो जिससे हर व्यक्ति के आंगन में खुशियों के कमल मुस्कुरायें, घर-परिवार और समाज में वरिष्ठजनों, वृद्धजनों और गुरुजनों का सदैव सम्मान हो। सन्तानें माता-पिता को सुख, सम्मान और आदर दें, युवा अपने कर्त्तव्य एवं दायित्व को समझें और अपनी ऊर्जा का प्रयोग धर्म, संस्कृति एवं जीवनमूल्यों की रक्षा के साथ-साथ राष्ट्रनिर्माण करें। समाज का हर वर्ग नारी को सम्मान दे और हर बच्चा मां की ममता और पिता के प्यार की छांव में आत्मविकास का पथ पाये। भगवान रघुनाथ की इस धरा पर कोई अनाथ न कहलाए। सम्पूर्ण विश्व में शान्ति, सौहार्द्र, भ्रातृभाव, सहयोग और अहिंसा की उत्कृष्ट मानवीय भाव धारा में मानवता देवत्व की ऊंचाईयों को स्पर्श करे।

अखिल विश्व में शान्ति हेतु'' समूची मानव जाति की, समग्र आध्यात्मिक जागृति ही मिशन का मूल उद्देश्य है। सेवा, सिमरन, संतोष, सद्भावना, सहयोग, साधना, सत्संग, सद्विचार, सहानुभूति, सहनशीलता, सहृदयता, सत्यता, सौम्यता, सरलता, सहजता और सरसता विश्व जागृति मिशन के मौलिक सिद्धान्त हैं। इन सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप देने के लिए मिशन अनेक गतिविधियों का संचालन करता है।

विश्व जागृति मिशन की स्थापना के समय पूज्य महाराजश्री ने मिशन के कार्यकर्ताओं को **सेवा, साधना, सत्संग, सिमरन, स्वाध्याय, समर्पण और संतोष** के **सप्त सूत्र** दिये। सप्त सूत्रों को लेकर मिशन की यात्रा 86 सेवा केन्द्रों के माध्यम से दिल्ली की सीमाओं तथा भारत के प्रदेशों को लांघते हुए विदेशों तक जा पहुँची। मिशन के गोमुख से गंगासागर तक की इस 33 वर्ष की सेवा यात्रा में समाज के दीन-हीन, गरीब, उपेक्षित वृद्धजनों, अशिक्षित अनाथों की पीड़ा हरण के लिये पूज्य महाराजश्री के सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन द्वारा धर्म एवं सेवा के क्षेत्र में आश्रम, मन्दिर, सत्संग भवन, धर्मार्थ अस्पताल, वृद्धाश्रम, वानप्रस्थाश्रम, अनाथालय, गुरुकुल, उपदेशक महाविद्यालय, निःशुल्क विद्यालय, आदिवासी क्षेत्रों में पब्लिक स्कूल, कौशल विकास केन्द्र, गौशालाएं, गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग, दैवीय आपदाओं के समय सहयोग, अन्नक्षेत्र, यज्ञ, सत्संग, साधना शिविर इत्यादि अनेकानेक सेवा प्रकल्प संचालित हैं।

विगत 33 वर्षों से सेवा, सत्संग, यज्ञ-योग, पूजा-उपासना, शिक्षा-संस्कार, ध्यान-साधना के माध्यम से मानव उत्थान कार्यों में अहर्निश तत्पर इस संस्था के भारत में 86 से अधिक सेवाकेन्द्र (मण्डल) एवं अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग, सिंगापुर, दुबई, नाइजीरिया, जर्काता, थाईलैण्ड, फिलीपीन्स आदि देशों में भी सेवा केन्द्र संचालित हैं। वर्तमान में महाराजश्री के चरणों में श्रद्धा रखने वाले देश-विदेश में लाखों शिष्य और करोड़ों अनुयायी हैं। पूज्य महाराजश्री के संदेश-उपदेश, सत्संग शिक्षाएं बहुत ही हृदयग्राही हैं। जिसने भी आपके साहित्य को पढ़ा या टी.वी. अथवा अन्य प्रसारण माध्यम से आपको एक बार भी सुना वह हमेशा के लिए आपका हो गया। आपने अब तक 8000 से भी अधिक प्रवचन दिये हैं।

'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना से पूज्य महाराजश्री व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं और उनकी संस्था विश्व जागृति मिशन मानव सेवाकार्यों में अहर्निश समर्पित है।

जीवन निर्माण कला की प्रयोगशाला
हमारे आश्रम-हमारे मन्दिर

पूज्य महाराजश्री ने धर्म के क्षेत्र में सत्संग-साधना व प्रार्थनाओं को अधिक महत्व दिया, जिसके लिए देशभर में अनेकों सत्संग स्थल और प्रार्थना स्थल बनवाए व अनेकों देव मन्दिरों का निर्माण कराया। आपके जितने भी सेवा प्रकल्प चल रहे हैं उनमें अधिक महत्व इस बात को दिया गया कि लोग एक तरफ भक्ति करें, ज्ञान एवं ब्रह्मज्ञान प्राप्ति के लिए सत्संग में आएं और सेवा के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति की ओर बढ़ें आपके आश्रम जीवन निर्माण, चरित्र निर्माण व जीवन जीने की कला सीखने की प्रयोगशालाएं हैं। आपने साधना को बहुत महत्व दिया। वर्षभर आपके सत्संग एवं ध्यान साधना शिविर चलते हैं जिसके लिये आप भक्तों को तीर्थों में लेकर जाते हैं। गहन ध्यान-साधना के लिए आप साधकों को ऋषिकेश, बद्रीनाथ, अयोध्या, नासिक, प्रयाग कुम्भ व पहाड़ों में कुल्लू-मनाली लेकर जाते हैं। मनाली स्थित साधना धाम आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केन्द्र की स्थापना की गई है। जहां देश-विदेश से लोग शांति-सुकून प्राप्त करने के उद्देश्य इस केन्द्र में ध्यान साधना सीखने के लिए आते हैं, इसी साधना धाम आश्रम में ऋषिभूमि वेलनेस एण्ड नैचरोपैथी सेंटर भी संचालित किया गया है। जहां आयूष विभाग से संबंधित प्राकृतिक चिकित्सा, वन्यऔषधियों एवं पंचकर्मा आदि से रोगियों का उपचार कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया जाता है।

गुरु श्रेष्ठों का मिलन

समाज व राष्ट्र नायकों की भेंट के अवसर

विश्व जागृति मिश

- मण्डल – 86
- राज्य – 15
- मन्दिर – 24
- आश्रम – 36
- अंतर्राष्ट्रीय मंडल
- गौशाल
- हॉ
- गु
- अनाथा
- आदिवासी शि
- स्किल डेवलपमेंट –
- योगा स्कूल – 1
- वृद्धाश्रम – 1
- अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केन्द्र – 1

...ान की एक झलक

...6

...मंडल – 10

...शाला – 9

हॉस्पीटल – 2

विद्यालय – 5

गुरुकुल – 2

...ाथालय – 1

...शिक्षा – 2

...ंट – 1

500 से अधिक गायें

27 लाख रोगियों का उपचार

40 हजार आंखों का ऑपरेशन

कन्या छात्राएं – 1200

गुरुकुल छात्र – 600

अनाथ बच्चे – 1100

आदिवासी छात्राएं – 150

सत्संग प्रवचन 8000+

अनुयायी भक्त 1 करोड़+

सेवारत कार्यकर्ता 1 लाख+

दीक्षित शिष्य 30 लाख+

साहित्य 200+

प्रचारक धर्माचार्य 200

धर्मदूत (मासिक) 01

जीवन संचेतना (मासिक) 01

संस्कार

सोमवार से शुक्रवार प्रातः 7:45 से 8:05 तक संस्कार टीवी पर प्रवचन

सादर सम्मान पदक

पूज्यश्री द्वारा लिखित साहित्य

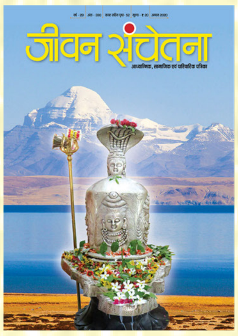

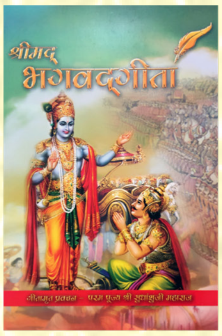

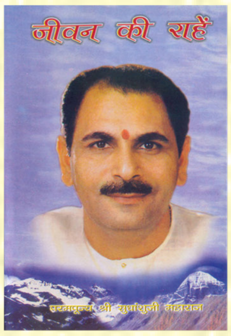

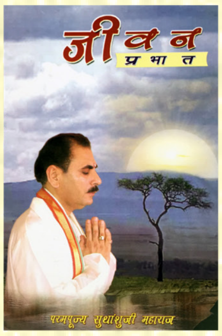

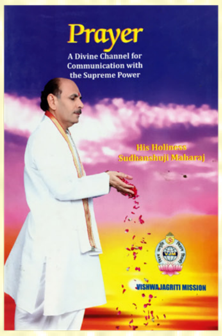

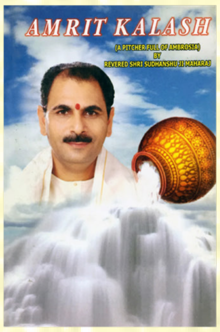

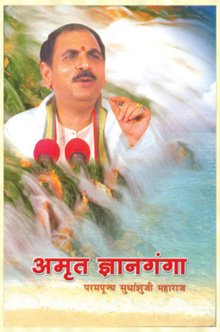

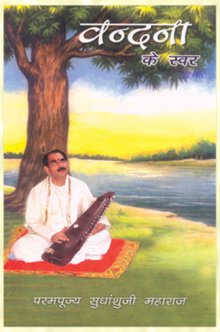

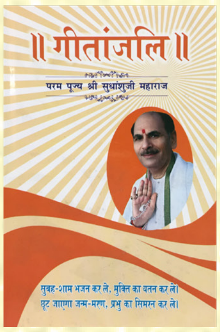

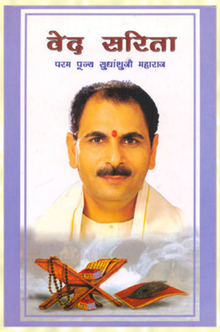

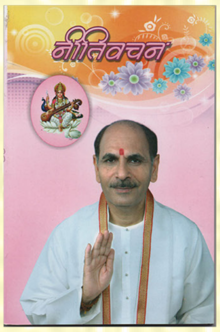

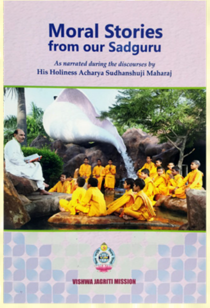

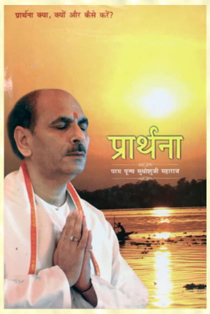

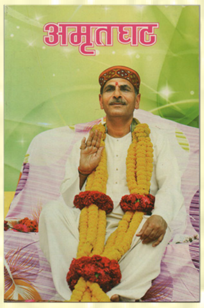

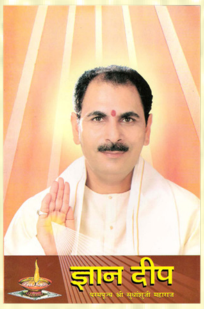

+184
अन्य

विश्व जागृति मिशन का भौगोलिक विस्तार

राष्ट्रीय विस्तार

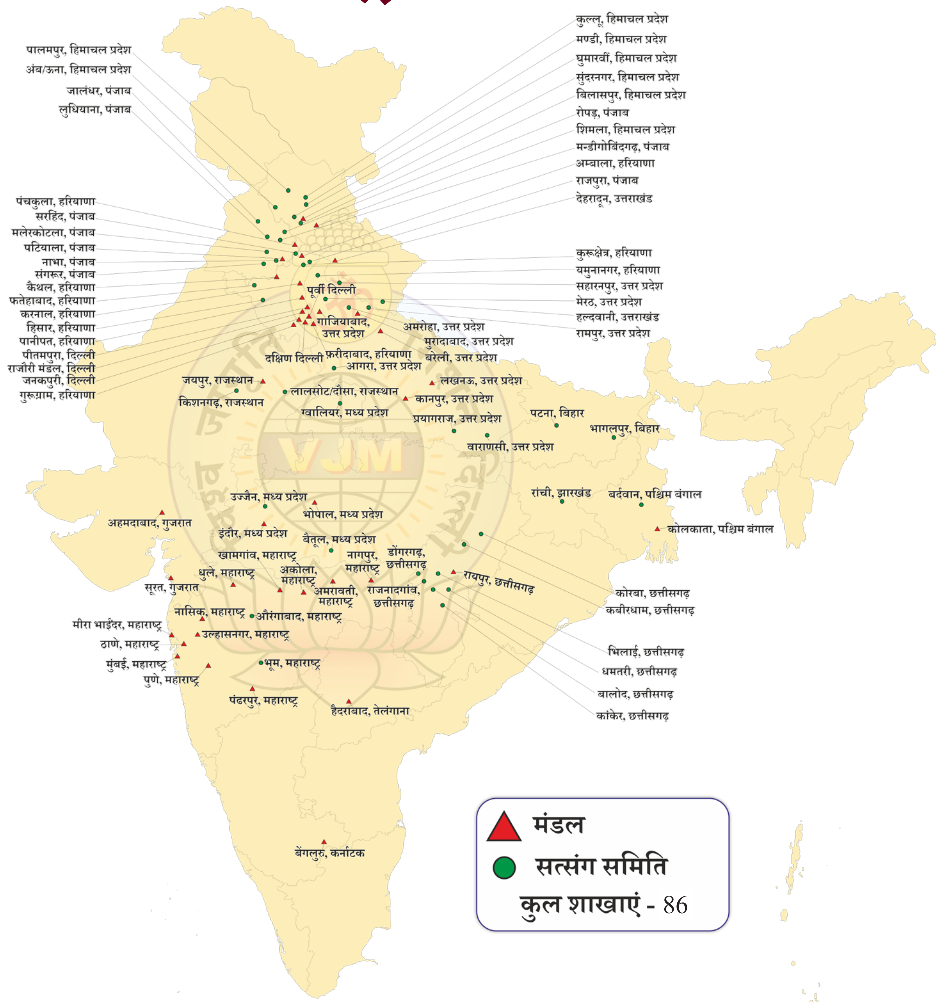

अस्वीकरण: यह नकशा स्थिति संबंधी अशुद्धियों, त्रुटियों या डेटा की चूक के लिए उत्तरदायी नहीं है।

सेवा प्रकल्पों का विस्तार

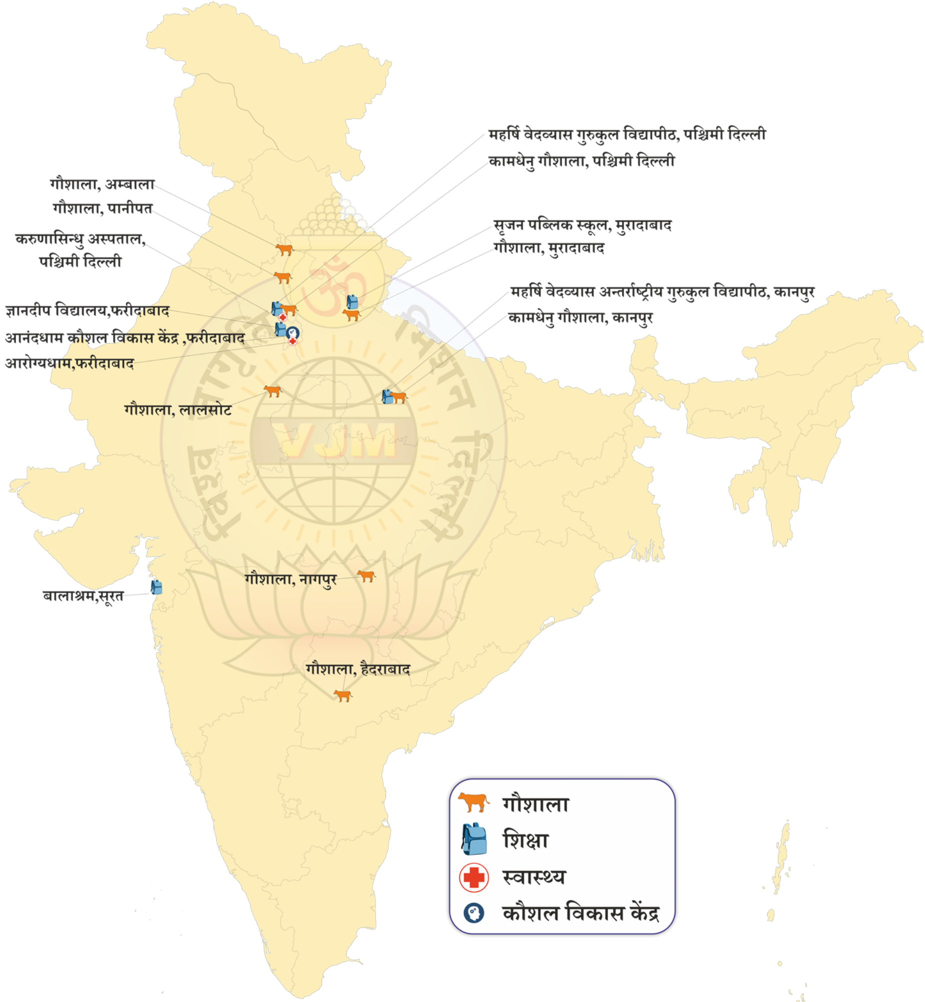

अस्वीकरण: यह नकशा स्थिति संबंधी अशुद्धियों, त्रुटियों या डेटा की चूक के लिए उत्तरदायी नहीं है।

विश्व जागृति मिशन का भौगोलिक विस्तार

मिशन के मन्दिर व आश्रम

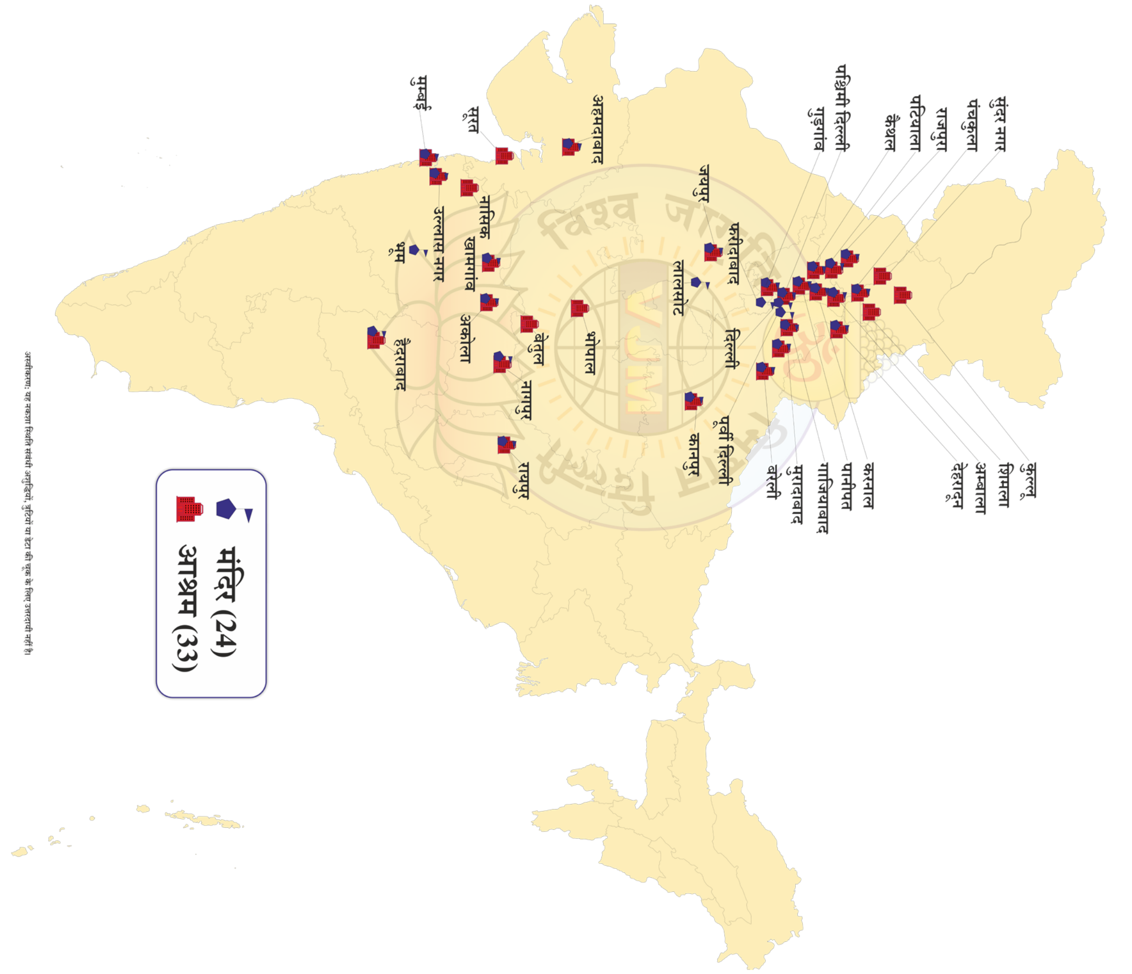

अन्तर्राष्ट्रीय विस्तार

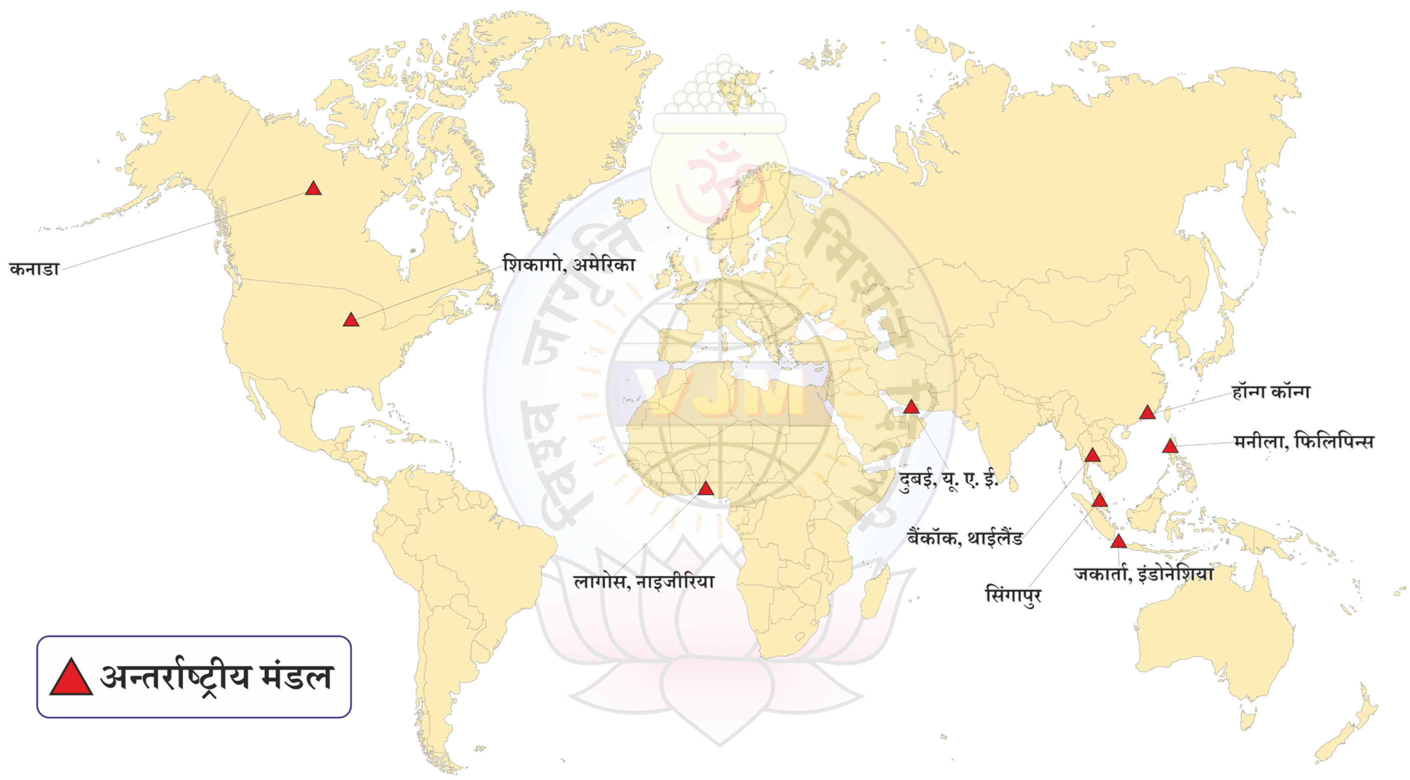

अस्वीकरण: यह नकशा स्थिति संबंधी अशुद्धियों, त्रुटियों या डेटा की चूक के लिए उत्तरदायी नहीं है।

विश्व जागृति मिशन
विभिन्न सेवा प्रकल्प

शिक्षा क्षेत्र में

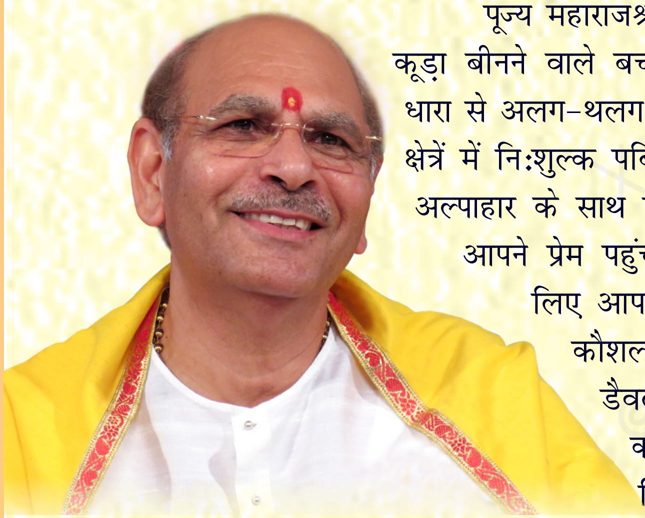

पूज्य महाराजश्री के आशीर्वाद से मिशन ने बालकल्याण योजनाएं चलाकर अनाथ, गरीब कूड़ा बीनने वाले बच्चों के लिए अनाथालय, विद्यालय व गुरुकुल खोले। समाज की मुख्य धारा से अलग-थलग पड़े जहाँ अन्य संस्थाएं जाने से डरती थीं उन नक्सल प्रभावित आदिवासी क्षेत्रें में नि:शुल्क पब्लिक स्कूल खोले जहां 700 से अधिक बच्चों को पुस्तकें, यूनिफार्म एवं अल्पाहार के साथ नि:शुल्क शिक्षा दी जाती है। जहां तक समाज का प्रेम नहीं पहुंचा वहां आपने प्रेम पहुंचाया। झुग्गी झोपड़ी में रहकर कूड़ा बीनने वाले बालक-बालिकाओं के लिए आपने विद्यालय खोलकर उनकी शिक्षा व रोजगार प्राप्ति के लिए आनन्दधाम कौशल विकास केन्द्र की स्थापना करवाई, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ स्कील डैवलेपमेन्ट का प्रशिक्षण प्राप्त कराकर उन्हें नौकरी व स्वरोजगार स्थापित करने के लिये तैयार किया जा रहा है। अनाथ बेसहारा बच्चों के लिये सूरत में विशाल बालाश्रम की स्थापना की। मुरादाबाद में सृजन प्राइमरी स्कूल की स्थापना की। दिल्ली एवं कानपुर में भारतीय संस्कृति के संरक्षण व सम्वर्धन के लिए गुरुकुलों की स्थापना की जहां सैकड़ों विद्यार्थी गुरुकुल में रहते हुए शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथा सैकड़ों विद्यार्थियों ने इन गुरुकुलों से शिक्षा संस्कार प्राप्तकर उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

सनातन संस्कृति व प्राच्य विद्या का महान केन्द्र
महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ

अधुनिकता एवं भौतिकता की अन्धी दौड़ में अपनी सांस्कृतिक सम्पदा एवं ज्ञान विज्ञान की प्राचीन विद्याओं को भूल रहे भारतीय समाज में सांस्कृति मूल्यों को सुरक्षित रखने तथा वेद आदि शास्त्रों के दिव्य ज्ञान से मानवता को अलंकृत करने के उद्देश्य से पूज्य महाराजश्री ने वर्ष 1999 में महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ की स्थापना की। स्थापना के समय पूज्य महाराजश्री ने कहा **''हमारा उद्देश्य है सम्पूर्ण विश्व में भारत की उज्जवल वैदिक संस्कृति, संस्कारों, सनातन धर्म, हजारों ऋषियों-मुनियों, दार्शनिकों के सद्ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना और हम चाहते हैं कि लोग जीवन की दिनचर्या में धर्म का पालन करें।''** प्रारंभ में इस गुरुकुल में 50 उपदेशक प्रशिक्षित किए गए जो प्रवचन, संकीर्तन, योग, ध्यान-साधना, यज्ञ, पूजा-पाठ, कर्मकाण्ड आदि पुनीत संस्कारों में निष्णात होकर देश विदेश में मिशन द्वारा स्थापित आश्रमों में भारतीय संस्कृति की सुगंध बिखेर रहे हैं। देव संस्कृति को एक नई दिशा देते हुए मई 2007 में महाराजश्री ने इसे बालगुरुकुल का रूप दिया, जिसमें समाज के सक्षम परिवारों के बच्चों के साथ गरीब, वंचित व आदिवासी परिवारों के बच्चे भी सैद्धान्तिक शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ वेदों, उपनिषदों, वैदिक दर्शन, विभिन्न शास्त्रों, विज्ञान, संस्कृत, गणित, अंग्रेजी भाषा, व्याकरण, सामाजिक अध्ययन एवं कंप्यूटर में ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। कक्षा 6वीं-8वीं (प्रथमा), 9वीं-10वीं (पूर्व मध्यमा), 11वीं-12वीं (उत्तर मध्यमा), शास्त्री (स्नातक) एवं आचार्य (परास्नातक) तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान में कक्षा 6वीं से 8वीं तक की परिक्षाएं डॉ. गोस्वामी गिरधारी लाल प्राच्य विद्याप्रतिष्ठान तथा 9वीं से आचार्य तक की कक्षाओं की परीक्षाएं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2021 में इस गुरुकुल को भारत में प्रतिष्ठा प्राप्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आचार्य स्तर तक शिक्षा देने की मान्यता दी गई। वर्ष 2023 में इसी विश्वविद्यालय द्वारा गुरुकुल को व्यवसायिक कोर्स जैसे यौगिक विज्ञान, प्राकृतिक चिकित्सा व आहार विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान एवं कर्मकाण्ड में ऋषिकुमारों को प्रशिक्षण देने की स्वीकृति दी गई।

भारतीय ऋषि संस्कृति का विस्तारक
• महर्षि वेदव्यास उपदेशक महाविद्यालय •

ऋषि संस्कृति के विस्तार और भारतीय सनातन धर्म के विशुद्ध स्वरूप को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के उद्देश्य से आनन्दधाम आश्रम में 19 अप्रैल 2019 को महर्षि वेदव्यास उपदेशक महाविद्यालय की स्थापना की गई। स्थापना के समय पूज्य महाराजश्री ने कहा कि एक सच्चा धर्मोपदेशक युग को बदलने की क्षमता रखता है। इस महाविद्यालय में वेद, उपनिषद, गीता, रामायण आदि पवित्र ग्रंथों में पारंगत एवं मनोविज्ञान व इतिहास के मर्मज्ञ उपदेशकों का निर्माण किया जायेगा और ये उपदेशक अच्छे समाज व सांस्कृतिक सम्पदा से समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करेंगे। यहां से पढ़कर निकले हुए युवा उपदेशक देश के कोने-कोने व विदेशों में सनातन धर्म और ऋषि संस्कृति का विशुद्ध संदेश जन मानस तक पहुचायेंगे। संस्था द्वारा शीघ्र ही शुरू किए जा रहे धर्मशास्त्र शुद्धिकरण अनुसंधान केन्द्र में उपदेशक महाविद्यालय के छात्र प्रशिक्षण के उपरांत धर्मशास्त्र शुद्धि का कार्य भी करेंगे।

ऋषि परम्परा का योगसंस्थान
• विश्व जागृति मिशन इन्टरनैशनल योग स्कूल •

विश्व में योग भारत के ऋषियों की महान देन है। ऋषियों द्वारा दी गई यह योग विद्या जन-जन तक पहुँचे और सभी को स्वास्थ्य लाभ मिले, योग को अपनाकर कोई भी निरोगी न रहे इस उद्देश्य से आनन्दधाम आश्रम, दिल्ली में 21 जून 2022 को योग दिवस के अवसर विश्व जागृति मिशन इन्टरनैशनल योग स्कूल की स्थापना की गई। इस योग स्कूल में योग प्रशिक्षण के साथ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त बी.एस.सी इन योगिक साइन्स, एम.एस.सी इन योगिक साइन्स, सर्टीफिकेट कोर्स, डिपलोमा कोर्स आदि कराए जाते हैं।

• महर्षि वेदव्यास अंतर्राष्ट्रीय गुरुकुल विद्यापीठ •

कानपुर के सिद्धिधाम आश्रम में वर्ष 2018 में स्थापित महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ में अध्ययनरत छात्र योग, यज्ञ, वेदपाठ, अन्तर्राष्ट्रीय योगाभ्यास की अनुपम प्रस्तुति कर्मकाण्ड, व्याकरण आदि में प्रवीणता हासिल कर प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में मिशन और महाराजश्री का नाम रोशन कर रहे हैं।

• आदिवासी पब्लिक स्कूल •

विश्व जागृति मिशन द्वारा राँची के रुक्का ग्राम व खूँटी नगर में आधुनिक शिक्षा माध्यम के स्कूल संचालित हैं। वहाँ लगभग 400 आदिवासी छात्र एवं छात्राओं को नि:शुल्क शिक्षा, पुस्तकें, लेखन सामग्री, पौष्टिक भोजन और यूनिफार्म इत्यादि प्रदान किए जाते हैं। इन विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र विद्यालय में प्रवेश से पूर्व समाज की मुख्य धारा से भटक चुके थे, उन्हें शिक्षित एवं संस्कारित कर सुयोग्य बनाया जा रहा है। यहां से पढ़कर निकले हुए छात्र देश के विभिन्न सरकारी पदों को सुशोभित करते हुए प्रशासनिक पदों पर भी आसीन हैं।

• अनाथाश्रम (बालाश्रम) सूरत, गुजरात •

विश्व जागृति मिशन ने सूरत में विशाल बालाश्रम की स्थापना की। इस बालाश्रम में बच्चों को पब्लिक स्कूल की शिक्षा देकर श्रेष्ठ मानवीय धारा के अनुसार उनके जीवन का नवनिर्माण हो रहा है। यथार्थ में मिशन के बालाश्रम में अनाथ बच्चों के लिए शिक्षा संस्कार की एक महान क्रान्ति घटित हो रही है। इस बालाश्रम के बच्चों की शिक्षा अब श्रेष्ठतम स्कूल व्हाईट लोटस में चल रही है। जहां वे प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों, प्रतियोगिताओं में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णपदक प्राप्त कर महाराजश्री व मिशन का नाम रोशन कर रहे हैं।

अनाथालय के बच्चों की शिक्षा अभी स्कूल स्तर पर है। जिसमें उन्हें भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ भावधारा में सुसंस्कारों के साथ कॉनवेण्ट स्कूल की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दी जा रही है। मिशन का प्रयास है कि उनकी शिक्षा का यह क्रम कॉलेज और यदि आवश्यकता हुई तो विदेश में अध्ययन कराने एवं उन्हें पूर्णतया आत्मनिर्भर बनाने तक जारी रहेगा।

ज्ञानदीप विद्यालय

फरीदाबाद हरियाणा में कूड़ा बीनने वाले, बाल मजदूरी करने वाले बच्चों के कल्याण के लिए 28 बच्चों को लेकर प्रारम्भ किए गए ज्ञानदीप विद्यालय की छात्र संख्या अब 1200 तक पहुंच गई है। यहाँ से पढ़ रहे बच्चे भारत के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से भी भेंट कर चुके हैं तथा सरकारी नौकरियों में अच्छे पद प्राप्त करने के साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करता

आनन्दधाम कौशल विकास केन्द्र

विश्व जागृति मिशन और आनन्दधाम ट्रस्ट द्वारा फरीदाबाद में **'आनन्दधाम कौशल विकास केन्द्र'** की स्थापना की गयी है, जहां गरीब-जरूरतमंदों को नौकरी एवं स्वरोजगार प्राप्ति के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। **'आनन्दधाम कौशल विकास केन्द्र'** को **'राष्ट्रीय कौशल विकास निगम'** (NSDC) के द्वारा 5 स्टार रेटिंग से मान्यता प्राप्त है। इसके साथ-साथ हरियाणा स्टेट कौशल विकास निगम द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। अभी तक इस सेन्टर से 8 बैच निकल चुके हैं और लगभग 700 प्रशिक्षुओं को नौकरी दिलाने का कार्य भी किया गया है और जो प्रशिक्षु अपना स्वयं का कारोबार शुरू करना चाहते थे उन्हें बैंक से लोन दिलवाने में भी आनन्दधाम कौशल विकास केन्द्र द्वारा मदद की गई है।

गौरक्षा एवं गौ संवर्धन के लिए संचालित

8 राज्यों में 9 गौशालाएं

गौ की सेवा अनेकानेक रोगों को दूर करने के लिए एवं स्वास्थ्य लाभ में अमृत औषधि है। सभी देवी देवताओं का निवास गौ में होता है। जो लाभ, आशीर्वाद हमें यज्ञ व पूजन से प्राप्त होता है, वही लाभ हमें गौ सेवा व पूजन से मिलता है। प्राचीन समय से देश में समृद्धि की प्रतीक गौउएं कालांतर में दर-दर भटकने को मजबूर हो गईं, यहां तक कि उन्हें कसाइयों द्वारा कसाई खाने में काटा जाने लगा। गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से आनन्दधाम आश्रम में कामधेनु गौशाला की स्थापना की गई जहां वर्तमान में डेढ़ सौ से अधिक गौओं की सेवा की जाती है। इसी तरह 8 और बड़ी गौशालाएं देश के प्रमुख शहरों में स्थापित हैं। विश्व जागृति मिशन मुख्यालय आनन्दधाम के अलावा दिव्यलोक गौशाला मुरादाबाद (उ.प्र.), कामधेनु गौशाला, कानपुर (उ.प्र.), अमृत गौशाला, पानीपत (हरियाणा), अमृतधाम गौशाला, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश), श्री नन्दिनी गोपाल गौशाला,लालसोट (राजस्थान) एवं श्रीधाम आश्रम गौशाला, बंगलुरु (कर्नाटक) में आदर्श गौशालाएँ संचालित हैं।

उपचार एवं चिकित्सा क्षेत्र में

• करुणासिंधु धर्मार्थ अस्पताल •

एक ओर जहां शिक्षा प्रकल्पों के मध्यम से मिशन ज्ञान का प्रकाश फैला रहा है वहीं गरीब रोगियों की चिकित्सा-सेवा के लिए वर्ष 2000 में स्थापित करुणासिंन्धु धर्मार्थ अस्पताल में 32 कुशल चिकित्सकों की टीम अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे रही है। आखों के अस्पताल के नाम से मशहूर करुणा सिंधु अस्पताल, दिल्ली एन.सी.आर. के चार टॉप अस्पतालों में से एक है। यहां पर नेत्र, हृदय, नाक-कान-गला, स्त्री रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग, होम्योपैथिक आदि सभी विभागों की चिकित्सा की जाती है। आस-पास एवं दूर-दराज़ के लगभग 500 गरीब जरूरतमंद रोगी प्रतिदिन नि:शुल्क चिकित्सा का लाभ प्राप्त करते हैं। यहां पर अब तक लगभग 20 लाख रोगी नि:शुल्क उपचार प्राप्त कर चुके हैं और लगभग 37 हज़ार मोतियाबिंद के नि:शुल्क ऑपरेशन किए जा चुके हैं। करुणासिंधु धर्मार्थ अस्पताल सभी प्रकार की नवीन तकनीकी जाँच सुविधाओं से सुसज्जित है।

• युगऋषि आरोग्यधाम •

आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए आनन्दधाम आश्रम, दिल्ली में युगऋषि आरोग्यधाम की स्थापना की गई है। इस केन्द्र में पंचकर्मा, प्राकृतिक चिकित्सा एवं वन-जड़ीबूटियों औषधियों से रोगियों का उपचार किया जाता है। अबतक हजारों गरीब जरूरतमंद रोगी युगऋषि आरोग्यधाम से स्वास्थ्य लाभ ले चुके हैं।

• आरोग्यधाम, फरीदाबाद •

फरीदाबाद में स्थापित आरोग्य धाम अस्पताल में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा अब तक 10 लाख गरीब रोगियों का नि:शुल्क उपचार व 8 हज़ार मोतियाबिन्द के नि:शुल्क ऑपरेशन हो चुके हैं। करुणासिंधु धर्मार्थ अस्पताल, दिल्ली की तरह फरीदाबाद के आरोग्यधाम अस्पताल में शीघ्र ही नवीन तकनीकी जाँच सुविधाओं

से युक्त किया जा चुका है। मिशन के अन्य अनेक आश्रमों में जहाँ चिकित्सा सेवा के लिये निःशुल्क डिस्पेन्सरियाँ संचालित हैं वहीं विभिन्न मण्डलों में समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार केन्द्रों में लाखों मरीज स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त कर चुके हैं।

वृद्धाश्रम, वानप्रस्थ एवं वरदान सीनियर लिविंग होम

समाज में आये नैतिक मूल्यों की भारी गिरावट के कारण आज लोगों को एक समय के बाद अपने माता-पिता बोझ लगने लगते हैं। ऐसे वृद्ध लोग जिनके लिए अपने घर में ही स्थान नहीं है उनके लिए भी आपने स्थान बनाया। जो समर्थ हैं उनके लिए आपने वरदान सीनियर लिविंग होम जैसा स्थान बनाया जहां लोग सुख, शान्ति और प्रसन्नता से प्रकृति की गोद में जीवन के उत्तरार्द्ध को आनन्द से व्यतीत कर सकें और जो असमर्थ हैं उनके लिए भी वानप्रस्थाश्रम और वृद्धाश्रम बनाकर आत्मसम्मान से रहने का स्थान दिया।

पर्यावरण शुद्धि के लिये महायज्ञों का आयोजन

धार्मिक आस्था की वृद्धि, देवी-देवताओं की कृपा प्राप्ति, पर्यावरण शुद्धि, सुख-शांति, धन समृद्धि की प्राप्ति, नौकरी व्यापार में उन्नति और विश्व कल्याण की पावन भावना के साथ-साथ समस्त भक्तजनों के कष्टों के निवारण हेतु वर्ष 2001 से प्रतिवर्ष अक्तूबर माह में आनन्दधाम आश्रम में 108 कुण्डीय श्री गणेश-लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन पूज्य महाराज श्री के सान्निध्य में किया जा रहा है।

आदिवासी परिवार कल्याण योजनाएँ

झारखण्ड के राँची जिले में रुक्का और खूंटी नामक दो ग्रामों को विश्व जागृति मिशन ने गोद लिया। इन नक्सल प्रभावी आदिवासी ग्रामों में लोगों का जीवन स्तर बहुत ही निम्न स्तर का था। समाज में कैसे रहना और क्या करना है? इन सब चीजों से वह अनभिज्ञ थे। आदिवासियों की बदतर स्थति को देखते हुए मिशन ने वहां अपनी सेवाएं शुरू की और मिशन द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों का स्पष्ट परिणाम यह हुआ है कि आदिवासियों ने अपनी जीवनशैली को बदल दिया है। जहां पहले वे इकट्ठे बैठकर मद्यपान करते थे, अब सत्संग का आनन्द लेते हैं। ईश्वर के अस्तित्व में अब अटूट श्रद्धा है। इसके साथ-साथ आदिवासी क्षेत्रों में मिशन द्वारा स्वरोजगार की योजनाओं के लिए प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए हैं। आदिवासियों को खेती सम्बन्धी जानकारी एवं उसके लिए साक्षरता अभियान भी चलाए गये हैं। उन्हें मद्यपान एवं व्यवसनों से दूर रहने तथा वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया गया। हर घर में एक-एक गाय दी गई, जिससे वह गौ सेवा के साथ-साथ अपने जीविका का साधन भी प्राप्त कर सकें। अब आदिवासी लोगों का जीवन बेहत्तर स्थिति में है।

प्राकृतिक व राष्ट्रीय आपदाओं में सहयोग

1998 में रोहतक में बाढ़ हो या उत्तराखण्ड के चमोली में भूकम्प या हो गुजरात, अथवा आंध्रप्रदेश में प्राकृतिक सुनामी, कारगिल युद्ध हो या राष्ट्रीय संकट या कोरोना जैसी महामारी विश्व जागृति मिशन प्रभावित लोगों की तन-और धन से सेवा करने में सर्वदा अग्रणी रहा है। कारगिल युद्ध में शहीद वीर जवानों के परिवारों के लिए मिशन ने प्रधानमंत्री राहतकोष में आर्थिक सहयोग दिया। वर्ष 2015 में नेपाल भूकम्प पीड़ितो के लिए राहत कोष में भी आर्थिक सहयोग 2 मई को अमृत महोत्सव पर तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को दिया गया। वर्ष 2020 में कोरोना संकट काल में मिशन द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में सहयोग दिया गया और विदेशों से 125 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर मंगाकर ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे रोगियों की मदद की गई और शहरों से पलायन कर रहे गरीब लोगों में भोजन व दिनचर्या की आवश्यक सामग्रियां बांटी गई। सुनामी पीड़ित लोगों के लिये घर बनाकर दिये और झारखण्ड में 2 गाँव को गोद लेकर हर घर में एक-एक गाय दी। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश में बाढ़ पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री राहतकोष में भी मिशन ने आर्थिक सहयोग दिया।

कॉलेजों में रैगिंग पर रोक

कॉलेजों में प्रवेश कर रहे छात्र-छात्राओं को पुराने छात्र-छात्राओं द्वारा रैगिंग के नाम पर असभ्य एवं अमानवीय व्यवहार करके उन्हें परेशान किया जाता था, ऐसे में कई छात्र-छात्राएं रैगिंग के डर से अपनी पढ़ाई तक छोड़ देते थे। विश्व जागृति मिशन ने कॉलेजों में हो रहे इस दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के प्रवेश के समय स्वागत की स्वस्थ परम्परा हो, सुप्रीम कोर्ट में पी.आई.एल. दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने मिशन की याचिका पर संज्ञान लेते हुए रैगिंग के विरुद्ध कानून बनाया और इसे अपराध की श्रेणी में घोषित कर कॉलेजों में रैगिंग पर रोक लगाने का आदेश दिया। विश्व जागृति मिशन ने रैगिंग के विरुद्ध पूरे भारत में अभियान चलाया और अब स्थिति नियंत्रण में है।

अयोध्या में श्रीराम मन्दिर निर्माण हेतु आनन्दधाम आश्रम में डेढ़ सौ संतों का राष्ट्रीय संगम

भारतीय संस्कृति-हिन्दू धर्म मूल्यों के वैश्विक पुनर्जागरण के संकल्प सहित अयोध्या में दिव्य राम मंदिर निर्माण की कार्य योजना पर परम पूज्य श्रीसुधांशु जी महाराज द्वारा स्थापित 'विश्व जागृति मिशन' मुख्यालय आनन्दधाम, नई दिल्ली परिसर में ''दो दिवसीय राष्ट्रीय संत सम्मेलन-विचार मंथन'' सम्पन्न हुआ। विश्व हिन्दू परिषद् के केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल की ओर से श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए आश्रम में 10 एवं 11 नवम्बर, 2020 की तिथियों में आयोजित संत सम्मेलन (राष्ट्रीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक) में ख्यातिप्राप्त विश्व प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संतों, धर्मतंत्र की प्रतिष्ठा में अहर्निश समर्पित विभिन्न प्रांतों के शंकराचार्यों, संतों-महंतों और विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शीर्ष पदाधिकारियों, उनके प्रमुख कार्यकर्त्ताओं ने सहभागिता की और उद्देश्य अनुरूप अपने विचार रखे।

विश्व जागृति मिशन के अभियान

विश्व जागृति मिशन सभी आयुवर्ग के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रहा है जैसे, बच्चों के लिए बाल संस्कार अभियान, युवाओं के लिए युवा अभ्युदय अभियान, वृद्धों के लिए आनन्दमय जीवन संघ अभियान, महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण एवं महिला उत्थान अभियान, टूटते बिखरते परिवारों के लिए परिवार जोड़ो अभियान, वृद्ध एवं वरिष्ठ जनों के सम्मान में श्रद्धापर्व अभियान।

वृद्ध एवं वरिष्ठ जनों के सम्मान

श्रद्धापर्व अभियान

महाराजश्री कहते हैं कि जिस देश में दिवंगत पूर्वजों को आदर देने की प्रथा हो उस भारत वर्ष में बच्चों के होते हुए माता-पिता और दादा-दादी वृद्धाश्रमों में रहें ये भारत और भारतीय संस्कृति का अपमान है। वृद्ध-बुजुर्ग अपने घरों में ही सम्मान से रहें। वृद्धों का अनुभव आशीष भाविष्य में पलते बढ़ते बच्चों के विकास में विशेष सहायक होता है इसलिये बच्चे अपने माता-पिता की अपने घरों में विशेष सेवा सम्मान करें और जनरेशन गैप भी समाप्त हो। वृद्धजनों की शारीरिक मानसिक और वित्तीय स्थिति ठीक बनी रहे इसके लिये विशेषज्ञों द्वारा समय-समय पर बेबीनार भी आयोजित करवाये जाते हैं। आनन्दधाम सहित विश्व जागृति मिशन के देश-विदेश की सभी केन्द्रों में श्रद्धापर्व वर्ष 1997 से प्रति वर्ष 2 अक्टूबर को प्रमुखता से मनाया जाता है। इस अवसर पर समाज व देश में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अतिविशिष्ट वरिष्ठ नागरिकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाता है। अब तक इस पर्व पर 300 से अधिक ऐसे विशिष्ट जनों को सम्मानित किया जा चुका है। जिनमें भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, आध्यात्मिक संत स्वामी कल्याण देव, लेफ्टीनेन्ट जनरल श्री जगजीत सिंह अरोड़ा, विश्व हिन्दु परिषद के श्री अशोक सिंघल एवं आचार्य श्री गिरि राज किशोर आदि प्रमुख हैं।

परिवार जोड़ो अभियान

आज का युग डीजिटल युग है, सोशल मीडिया का जमाना है, इससे प्रत्येक आयुवर्ग का व्यक्ति बिना लिंगभेद के प्रभावित है। जहाँ सोशल मीडिया के माध्यम से अच्छाई का प्रसार हो रहा है वहीं बुराई उससे भी ज्यादा पांव पसार रही है। हमारी आने वाली पीढ़ी मार्ग से न भटके, जहां उसे आधुनिकता का ज्ञान हो वहीं वह सभ्य एवं संस्कारी बनें। आपकी वृद्धावस्था खुशहाल हो, बच्चों का जीवन खुशहाली भरा हो और आने वाली पीढ़ियां खुशहाल रहें। इस उद्देश्य से परिवार जोड़ो अभियान की स्थापना की गई है। इस अभियान का उद्देश्य है समाज में परिवारों को वैदिक संस्कृति, संस्कार, सभ्यता एवं मूल्यवान प्राचीन परंपराओं को जोड़कर सभ्य समाज का निर्माण कर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना हर परिवार तक पहुँचाना।

धर्म जागृति अभियान

हम जैसा अपने लिए चाहते हैं वैसा ही व्यवहार हम दूसरों के साथ भी करें। धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। किसी को सुख पहुंचाना सबसे बड़ा धर्म है और दु:ख देना अधर्म है। इस अभियान का उद्देश्य है गृहस्थों में धार्मिक चेतना स्थापित करना, पाश्चात्य संस्कृति में लिप्त जनमानस को सनातन संस्कृति से जोड़ना और राष्ट्र एवं धर्म के प्रति जागृति लाना।

बाल संस्कार अभियान

आज कच्ची उम्र में जो कुसंस्कार बच्चों को परोसे जा रहे हैं उससे एक सभ्य समाज पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। आज बच्चा अपने पैरों पर चलना बाद में सीखता है और उसके हाथों में स्मार्ट फोन पहले आ जाता है। वह इससे इतना प्रभावित है कि स्मार्ट फोन को छोड़ना ही नहीं चाहता है। अगर उससे स्मार्ट फोन ले लिया जाये तो वह रोने लगता है। इस अभियान के तहत परिवारों में रहने वाले बच्चों के लिए संस्कार कक्षाएं, उनके प्रतिभा एवं व्यक्तित्व विकास के लिए कार्यशालाएँ खोलने का कार्य करना, बच्चों का बड़ों के प्रति आदर एवं सम्मान सिखाना और अपने लक्ष्य के प्रति जागृत करना।

युवा अभ्युदय अभियान

जिस देश का युवा जागृत और सक्रिय है वह देश उन्नति के शिखर पर है। सौभाग्य से हमारे देश में युवा शक्ति का संख्याबल सबसे अधिक है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज का युवा पथभ्रांत, आत्मगलानि से खीझता, तोड़-फोड़ और विध्वंस से दहकता, नशे की लतों में डूबता, जीवन की समस्योओं से भागता, कुण्ठाओं से भरे दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे राह ही नजर नहीं आ रही है कि उसके लिए कौन सा रास्ता अच्छा है और कौन सी राह गलत है? आज आवश्यकता है कि युवाशक्ति को नैतिकता, संयम, अनुशासन और कर्त्तव्य बोध कराया जाय, उसके अंदर आशा-उत्साह की आग जागृत की जाय।

आज का युवा अपनी संस्कृति, सभ्यता और भारतीयता को छोड़कर पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहा है जबकि बहुत से पश्चिमी देशों में सनातन परम्परा के महत्व को समझते हुए इसे अपनाया जा रहा है। आज हम अपने ऋषि-मुनियों, ज्ञानी-ध्यानियों की खोज को, उनकी विचारधारा को भूलते जा रहे हैं, अगर हमने समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया तो हमारी युवा पीढ़ी नारकीय स्थित की ओर बढ़ जायेगी।

युवाओं में बढ़ रही इन कुप्रवृतियों को ध्यान में रखकर समय की मांग को देखते हुए युवाओं में अपनी

संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र प्रेम जागृत करने के उद्देश्य से आज 4 अगस्त, 2023 को परमपूज्य सद्गुरु श्री सुधांशुजी महाराज के सान्निध्य में डॉ. अर्चिका दीदी के जन्मदिवस पर विश्व जागृति मिशन द्वारा आनन्दधाम आश्रम नई दिल्ली में 'युवा अभ्युदय अभियान' का शुभारम्भ किया गया। युवा अभ्युदय अभियान के द्वारा युवाओं के रचनात्मक सोच एवं सकारात्मक उत्पादकता, गुणवत्ता पूर्ण जीवन को सुनिश्चित करना, देश के युवाओं को जागृत कर सकारात्मक रूप से सक्रिय बनाना और युवाओं की अदम्य शक्ति एवं नई ऊर्जा को राष्ट्र की सेवा में लगाना।

आनंदमय जीवन संघ अभियान

परिवारों में वृद्धों के आनन्दमय जीवन के लिए आनंदमय जीवन संघ (सीनियर सिटीज़न क्लब) खोले गए हैं। इस अभियान के तहत राष्ट्र के विभिन्न कार्यों में सेवारत हजारों वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाता है और उन्हें जीवन की संध्या पर भी बचपन के प्रभात जैसा खिलता-खिलखिलाता जीवन जीने की कला सिखाई जाती है। इसमें उनके लिए स्थान-स्थान पर मंडल स्तर पर स्वास्थ्य कार्यशाला, कानूनी सलाह कार्यशाला, डाइट कार्यशाला तथा नेत्र जांच शिविर आदि का आयोजन किया जाता है।

महिला उत्थान अभियान

महिलाओं को सक्षम और सबल बनाने के उद्देश्य से पूज्या गुरु माँ जी के जन्मोत्सव पर 9 फरवरी, 2024 को महिला उत्थान अभियान का शुभारम्भ किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण देश के सभी मण्डलों में शिक्षित, सक्षम और सशक्त महिला अधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विश्व जागृति मिशन की केन्द्रीय समिति द्वारा चयन किया जाएगा और ये चयनित महिला अधिकारी व कार्यकर्ता सम्पूर्ण देश में महिला उत्थान के लिए कार्य करेंगी।

पर्यावरण संरक्षण अभियान

विश्व जागृति मिशन द्वारा पर्यावरण को शुद्ध व सुरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है, जिसके अन्तर्गत आनन्दधाम आश्रम दिल्ली, पानीपत, फरीदाबाद, मनाली एवं विश्व जागृति मिशन के देशभर में फैले अन्य अनेक आश्रमों में वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है।

हमारे नए संकल्प

धर्मशास्त्रों का शुद्धिकरण संकल्प

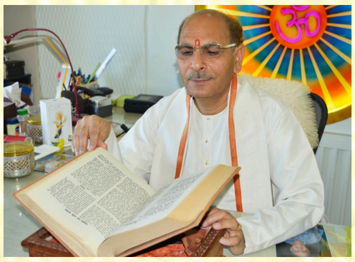

कालांतर में हमारे धार्मिक ग्रंथों में फेर बदल किया गया व धार्मिक स्थलों में तोड़-फोड़ कर हमारी आस्था को चोट पहुंचाई गई। धर्म का शुद्ध स्वरूप जन-जन तक पहुंचे। धर्म शास्त्रों में भ्रमित करने वाली बातों से लोग भ्रमित न हों, हमें अपने पूर्वज देवस्वरूप ऋषिमुनि और ऋषि संस्कृति पर गर्व हो, इस बात को लेकर पूज्य महाराजश्री ने धर्म शास्त्रों की शुद्धिकरण के लिए बीड़ा उठाया है। इसके तहत आने वाले समय में धर्म शास्त्र शुद्धिकरण अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की जा रही है, जिसमें भारत के अग्रगण्य विद्वानों के साथ उपदेशक महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त उपदेशकों द्वारा धर्मशास्त्रों की मिलावट को दूर कर विशुद्ध शास्त्र रचना करवाने का प्रण लिया गया है।

घर-घर गीता पहुँचाने का संकल्प

गीता भगवान श्री कृष्ण के श्रीमुख से नि:सृत अमृत है, जो जीवन जीने की कला सिखाती है। गीता का हर एक अध्याय दिव्य ज्ञान से परिपूरित है। पूज्य महाराजश्री संकल्प है कि जन-जन गीता के अमृत का पान करें, इसके लिए हमें गीता ग्रंथ को घर-घर पहुंचाना है।

धर्म के लिए धर्मोपदेशकों का विश्वव्यापी संकल्प

धर्म के स्वरूप को सही तरीके से लोग समझें और धर्म की राह पर चले, इसके लिए मिशन द्वारा धर्माचार्यों को प्रशिक्षण दिया जाता है और ये धर्माचार्य धर्म और कर्मकाण्ड के विशुद्ध स्वरूप को देश से लेकर विदेश तक प्रचारित कर रहे हैं। भविष्य में देश के कोने-कोने में उपदेशक महाविद्यालयों की स्थापना कर वैश्विक स्तर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों में धर्म जागृति का मिशन ने बीड़ा उठाया है।

विश्व जागृति मिशन

मुख्य कार्यालय

आनन्दधाम आश्रम, नांगलाई–नजफगढ़ रोड,
बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली–110041
दूरभाष : 9312284390, 9999979097

E-mail Id

info@vishwajagritimission.org
info@sudhanshujimaharaj.net

SUDHANSHU JI MAHARAJ

Youtube | Facebook | Instagram | Koo | Speaking Tree | Twitter

VISHWA JAGRITI MISSION

www.vishwajagritimission.org
www.sudhanshujimaharaj.net

Facebook | Koo

Jaago with Sudhanshu ji Maharaj